उत्साह: ४००० से अधिक बच्चों ने की शिरकत

दो दिवसीय अर्बन95 उदयपुर किड्स फेस्टिवल का समापन

"कहीं बच्चे एक साथ बैठकर कहानी सुन रहे थे तो कहीं पेड़ों की टहनियों से लटकी रंग बिरंगी मज़ेदार किताबें पढ़ रहे थे। एक कोने में जहाँ कुम्हार बच्चों को सधे हाथों से चाक पर खिलौने बनाना सिखा रहा था, तो जादूगर अपने करतबों से बच्चों का मन बहला रहा था। एक जगह बच्चे रस्सी पर सीधे क़दमों से चलना सीख रहे थे, तो एक तरफ कठपुतलियां बच्चों के साथ बातें कर रही थीं। ये दृश्य था गुलाब बाग में आयोजित हो रहे अर्बन95 उदयपुर किड्स फेस्टिवल का; जहाँ बच्चे अपने अभिभावकों और स्कूली शिक्षकों के साथ खेल खेल में सीख रहे थे।"

नगर निगम और बर्नार्ड वेन लीयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में इकली साउथ एशिया और इकोरस इण्डिया के तकनीकी सहयोग से शनिवार से शुरू हुए दो दिवसीय अर्बन95 उदयपुर किड्स फेस्टिवल की शुरुआत निगम आयुक्त श्री हिम्मत सिंह बारहठ के हाथों हुई। इस दौरान उपमहापौर श्री पारस सिंघवी, बीवीएलएफ इंडिया प्रतिनिधि रुश्दा मजीद, इकली साउथ एशिया उपनिदेशक श्री आशीष राव गोरपडे और अर्बन95 कार्यक्रम प्रबंधक श्री अमित उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

इस अवसर पर निगम आयुक्त श्री हिम्मत सिंह बारहठ ने अर्बन95 टीम को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने बच्चों के लिए एक अच्छा मंच उपलब्ध करवाया है। यहाँ बच्चे मिट्टी में खेलकर स्वाभाविक रूप से खेल रहे हैं,कहानियां सुन रहे हैं और बहरूपिया के साथ मस्ती कर रहे हैं। यह शहर के लिए एक अच्छा अवसर है कि छोटे बच्चों को लेकर वे इस फेस्टिवल में आये सीखे कि बच्चों को किस प्रकार खेल खेल में शिक्षा दी जा सकती है तथा पॉजिटिव पेरेंटिंग और बेहतर देखभाल कैसे की जा सकती है।

माननीय रुश्दा मजीद ने कहा कि किसी शहर को सुरक्षित बनाना है तो उसे बच्चों की नज़र से देखना आवश्यक है। निगम और बीवीएलएफ का यह प्रयास सराहनीय है, जहाँ छोटे बच्चों के लिए इस प्रकार के आयोजन किये जा रहे हैं। अर्बन95 एक वैश्विक प्रयास है, जो दुनिया को बच्चों के लिए सहज, सुन्दर और सुरक्षित बना रही है।

निगम का प्रयास है कि शहर को हर आयुवर्ग के अनुसार संवारा जाए। शहर का विकास इस तरह से हो कि छोटे बच्चे और उनके अभिभावक घर से बाहर निकलते समय सुरक्षित महसूस करे। शहर के पार्क, गलियां, सडकें, फुटपाथ आदि को बच्चों के अनुसार तैयार किये जाने की ज़रूरत है। महापौर ने ऐसा आयोजन हर साल होने की आवश्यकता जताई।

उपमहापौर श्री पारस सिंघवी ने कहा कि उनका बचपन गुलाब बाग में खेलते हुए बीता है। बचपन में लोटन मगरी पर मस्ती करने और हाथी वाला पार्क में खेलने के दिन पुनः याद हो आये। उपमहापौर ने कहा कि भविष्य में गुलाब बाग का एक हिस्सा खासतौर से "सेंसरी पार्क" के तौर पर विकसित करने की योजना है, ताकि छोटे बच्चे के समग्र विकास में कोई कमी नहीं रहे। निगम का प्रयास है कि शहर को हर आयुवर्ग के अनुसार संवारा जाए। शहर का विकास इस तरह से हो कि छोटे बच्चे और उनके अभिभावक घर से बाहर निकलते समय सुरक्षित महसूस करे। शहर के पार्क, गलियां, सडकें, फुटपाथ आदि को बच्चों के अनुसार तैयार किये जाने की ज़रूरत है।

इस से पूर्व अर्बन95 टीम ने अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें किड्स फेस्टिवल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान अतिथियों को अलग अलग कियोस्क में ले जाकर सम्बंधित गतिविधि और उसके उद्देश्यों के बारे में बताया गया। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक (यातायात), उपनिदेशक समेकित बाल विकास, निदेशक महिला अधिकारिता, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, अधीक्षण अभियंता निगम, यूआईटी चेयरमेन आदि अधिकारी भी मौजूद रहे।

क्या-क्या था अर्बन95 किड्स फेस्टिवल में: यह फेस्टिवल खास तौर से ६ साल तक के बच्चों और उनके केयरगिवर्स को ध्यान में रख कर आयोजित किया गया। इस उम्र के बच्चों के शारीरिक, संज्ञानात्मक, रचनात्मक, भावनात्मक आदि विकास तथा रेस्पोंसिव केयरगिविंग और सकारात्मक पैरेंटिंग के सही आयाम समझने के लिए यह उत्सव काफी रोचक तरीकों से विविध अवसर उपलब्ध करवाए गए। उत्सव में न केवल बच्चों के लिए विविध गतिविधियाँ हैं, बल्कि केयरगिवर्स के लिए भी यह सीखने का एक अवसर उपलब्ध हुआ, जहाँ ०-६ साल तक के बच्चों के समग्र विकास के लिए क्या क्या किया जा सकता है। बच्चे किस से सीखते हैं- किस तरफ आकर्षित होते हैं- क्या उन्हें अच्छा लगता है- किस तरह का व्यवहार और आचरण से बच्चों को हम खेल खेल में शिक्षा दे सकते हैं।

बच्चों के लिए आर्ट एवं क्राफ्ट, पेंटिंग, ब्लाक प्रिंटिंग, स्टोरी टेलिंग, लर्निंग ट्री, दौड़, बाधा वाले खेल, रस्सी कूद, गुब्बारों से जुड़े खेल, मिट्टी के खेल, गेंद से जुड़े खेल, स्थानीय पारंपरिक खेल, मिट्टी के खिलौने बनाना (क्ले आर्ट), एक मिनट शो आदि रोचक गतिविधियाँ आयोजित की गयी, बच्चों को भाने वाली रंग बिरंगी सामग्री से पूरे उत्सव परिसर को सजाया गया है। बच्चों के लिए विविध प्रकार की रोचक स्पर्धाएं भी आयोजित की गयी।

इसके साथ ही पश्चिमी सांस्कृतिक केंद्र के सहयोग से बहरूपिया, कठपुतली शो, स्थानीय संस्कृति से जुडी सांस्कृतिक गतिविधियाँ पूरे दिन आयोजित हुई। निगम की तरफ से पेड़ों का महत्व बताने के साथ ही बच्चों और केयरगिवर्स से वृक्षारोपण भी करवाया गया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से सभी बच्चों की वृद्धि जाँची गयी। इसके अंतर्गत बच्चों की लिंग अनुसार उनका वज़न और लम्बाई चेक की गयी।

अर्बन95 के अंतर्गत रेस्पोंसिव केयरगिविंग और पॉजिटिव पैरेंटिंग को प्रोत्साहित करने के लिए संचालित "पैरेंट्सप्लस" प्रोजेक्ट की तरफ से जतन संस्थान द्वारा केयरगिवर्स के लिए शाला पूर्व शिक्षा, घर पर बच्चों के साथ व्यवहार आदि पर रोचक खेल आयोजित किये गए। इस दौरान अभिभावकों के साथ सार्थक चर्चा आयोजित हुई।

इनदो दिनों में शहर के२० से अधिक निजी प्ले स्कूलों, १५० आंगनवाडी केन्द्रों, विभिन्न राजकीय कार्यालयों और संस्थाओं ने सहभागिता निभाई। इस दौरान कई अभिभावक निजी स्तर पर भी फेस्टिवल में पहुंचे। निगम की ओर से बच्चों को लाने और ले जाने के लिए बसों की भी व्यवस्था की गयी, जो उन्हें शहर के विभिन्न स्थानों से सीधे कार्यक्रम स्थल पर लेकर आई। निगम की ओर से बच्चों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की गयी।

इनका मिला सहयोग: नगर निगम द्वारा बीवीएलएफ के साझे में आयोजित इस अर्बन95 किड्स फेस्टिवल में इकली साउथ एशिया, इकोरस इंडिया, जतन संस्थान तकनीकी साझेदार के तौर पर काम किया। इसी के साथ पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, समेकित बाल विकास सेवाएं, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, यातायात पुलिस, टेक्नो इण्डिया इंजीनियरिंग कॉलेज आदि का सहयोग रहा।